



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 460]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 7, 2017/ज्येष्ठ 17, 1939

No. 460]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 7, 2017/JYAISTHA 17, 1939

नागर विमानन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 जून, 2017

सा.का.नि. 559(अ).—कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिसमें केंद्रीय सरकार, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा-5 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वायुयान नियम, 1937 में और संशोधन करने का प्रस्ताव करती है, जिसे उक्त अधिनियम की धारा-14 की अपेक्षानुसार ऐसे व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है और एतद्वारा सूचना दी जाती है कि भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना की प्रतियों को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराए जाने की तारीख से तीस दिन की अवधि के पश्चात् उक्त प्रारूप पर विचार किया जाएगा;

यदि कोई आक्षेप या सुझाव हो तो उसे महानिदेशक नागर विमानन, सफदरजंग हवाई अड्डे के सामने, नई दिल्ली -110003 को या dgooffice.dgca@nic.in पर भेजे;

उक्त विनिर्दिष्ट अवधि के समाप्त होने से पूर्व उक्त प्रारूप नियमों के बाबत यदि किसी व्यक्ति से कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त होता है, तो उस पर केंद्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

प्रारूप नियम

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (.....संशोधन) नियम, 2017 है।
(2) ये सरकारी राजपत्र में अंतिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- वायुयान नियम, 1937 में, अनुसूची II में, खंड ड, में पैरा (6) के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात् :—

"6. विशेषाधिकार.— अनुज्ञप्ति में पृष्ठांकनों और रेटिंगों की विधिमान्यता और वायुयान नियम, 1937 के नियम 39ख, 39ग और नियम 42 के सुसंगत उपबंधों का अनुपालन करने के अधीन रहते हुए एयरलाइन परिवहन पायलट अनुज्ञप्ति के धारक के विशेषाधिकार निम्नलिखित होंगे—

- (क) खंड ज के पैरा 6 में शर्तों के अधीन रहते हुए वाणिज्यिक पायलट अनुज्ञप्ति के विशेषाधिकार का प्रयोग करना; और
- (ख) ऐसे किसी वायुयान, जिसका संपूर्ण सर्वाधिक भार 5700 किलोग्राम से अधिक हो, जो उसके अनुज्ञप्ति के वायुयान रेटिंग में दर्ज है, में निम्नलिखित शर्तों की उसके पूर्व अनुपालन के अधीन रहते हुए समादेशक पायलट के रूप में कार्य करेगा:—
 - (i) उसने सह-पायलट के रूप में 100 घंटे से अन्यून का उड़ान काल उस प्रकार के विमान पर पूरा किया हो और उसके पश्चात् समाधानप्रद रूप में 10 लगातार मार्ग जांच किया हो जिसमें से 5 जांच किसी समादेशक पायलट के कर्तव्यों और कृत्यों का निस्पादन करने वाले किसी जांच पायलट के पर्यवेक्षण के अधीन रात में किए गए हों और उसने महानिदेशक के समाधानप्रद रूप में समादेशक पायलट के रूप में उड़ान भरने की सक्षमता का प्रदर्शन किया हो;

परंतु यह कि 5700 किलोग्राम से अधिक संपूर्ण भार वाले किसी परिवहन विमान के समादेशक पायलट के रूप में 100 घंटे से अन्यून का पूर्व अनुभव होने की दशा में, मार्ग जांच की अपेक्षित संख्या 6 तक घटाई जा सकती है जिसमें से 3 जांच रात में किए हों।

(ii) उसने महानिदेशक द्वारा अपेक्षित उस वायुयान की किस्म की बाबत समुचित प्रवीणता जांच, आशायित उड़ान से पहले छह मास के भीतर समाधानप्रद रूप में की हो;

(iii) किसी आई एफ आर उड़ान के प्रचालन से पहले उसके पास चालू उपकरण रेटिंग होनी चाहिए।

परंतु यह कि 65 वर्ष की आयु होने पर, ऐसे विशेषाधिकार खंड ड. के अनुसरण में किसी निजी पायलट अनुज्ञप्ति (वायुयान) तक ही सीमित होंगे।"

[फा. सं. एवी.11012/9/2016-ए]

अरुण कुमार, संयुक्त सचिव

टिप्पण: मूल नियम तारीख 23 मार्च, 1937 की अधिनियम सं. वी-26 द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i), तारीख 23 मई, 2017 में प्रकाशित सा.का.नि. 490(अ), तारीख 18 मई, 2017 द्वारा किया गया।

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd June, 2017

G.S.R. 559(E).—The following draft of certain rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), is hereby published as required by section 14 of the said Act, for information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after a period of thirty days from the date on which copies of the Gazette of India, in which this notification is published, are made available to the public;

Objections or suggestions, if any, may be addressed to the Director-General of Civil Aviation, Opposite Safdarjung Airport, New Delhi-110003 or mail to: dgoffice@dgca.nic.in;

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period specified above will be considered by the Central Government.

Draft Rules

1. (1) These rules may be called the Aircraft (..... Amendment) Rules, 2017.
 (2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.
2. In the Aircraft Rules, 1937, in Schedule II, Section M, for para (6), the following shall be substituted, namely: —
“6. Privileges.—Subject to validity of endorsements and ratings in the licence and compliance with the relevant provisions of rules 39B, 39C and 42 of these rules, the privileges of the holder of an Airline Transport Pilot’s Licence shall be—
 (a) to exercise the privileges of a Commercial Pilot’s Licence as per para 6 of Section J; and
 (b) to act as Pilot-in-Command of an aeroplane having an all-up weight exceeding 5700 Kgs., which is entered in the aircraft rating of his licence, subject to his prior compliance with the following conditions:—
 (i) he shall have completed on that type of aeroplane not less than one hundred hours of flight time as a Co-pilot followed by ten consecutive satisfactory route checks, of which not less than five shall be by night, under the supervision of a check pilot performing the duties and responsibilities of a Pilot-in-Command, and demonstrated his competency to fly as a Pilot-in-Command to the satisfaction of the Director-General:

Provided that in case of a pilot having previous experience of at least 100 hours as Pilot-in-Command of transport aeroplanes having all-up weight exceeding 5700 Kgs., the required number of route checks may be reduced to six out of which at least three shall be by night.

 (ii) he shall have undergone satisfactorily within the preceding six months of the intended flight, appropriate proficiency checks in respect of that type of aircraft as required by the Director-General.
 (iii) he shall be in possession of a current Instrument Rating before operating any IFR flight.

Provided that on the attainment of the age of sixty-five years, such privileges shall be restricted to that of a Private Pilot’s Licence (Aeroplanes) in accordance with Section E.”

[F. No. AV. 11012/9/2016-A]

ARUN KUMAR, Jt. Secy.

Note: The principal rules were published in the Official Gazette *vide* notification number V-26, dated 23rd March, 1937 and were last amended by *vide* G.S.R. 490(E), dated 18th May, 2017 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) on 23rd May, 2017.